मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

-::परीक्षा योजना::-

(अ) अंक–योजना :–

प्रश्न पत्र	परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	अवधि
प्रथम प्रश्न पत्र	मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान	50	200	01 घंटा
द्वितीय प्रश्न पत्र	विषय– संबंधित विषय	150	600	03 घंटे
	योग	200	800	
	साक्षात्कार		100	
	कुल अंक		900	

(ब) प्रश्न पत्र योजना :–

1. परीक्षा का आयोजन दो सत्रों में होगा ।
2. प्रथम प्रश्न पत्र की विषयवस्तु – मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान से संबंधित 50 प्रश्न होंगे । द्वितीय प्रश्न पत्र में विषय से संबंधित प्रश्नपत्र में 150 प्रश्न होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्न पत्र में कुल–200 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। इस प्रकार दोनों प्रश्न–पत्रों का पूर्णांक 800 अंकों का होगा।
3. दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु चार विकल्प (A,B,C,D) होंगे। अभ्यर्थी को उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प का ही चयन करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विकल्पों का चयन करने पर उत्तर निरस्त कर दिया जाएगा।
4. प्रथम प्रश्न पत्र की अवधि 01 घंटे की होगी । इस प्रश्न पत्र में 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। द्वितीय प्रश्न पत्र की अवधि 03 घंटे की होगी । द्वितीय प्रश्न पत्र में संबंधित विषय के 150 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा इस प्रकार लिखित परीक्षा की मेरिट दोनों प्रश्न पत्रों के प्राप्तांको को जोड़कर बनेगी।
5. दोनों ही प्रश्न पत्रों में पृथक–पृथक 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं दिव्यांगजन (PH) श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10–10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाएगी इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पृथक–पृथक न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
6. भाषा संबंधी प्रश्न–पत्रों को छोड़कर समस्त प्रश्न–पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

7. परीक्षा परिणाम के साथ ही अभिलेख–प्रेषण हेतु अंतिम तिथि निर्धारित कर परीक्षा में प्रावधिक सफल अभ्यर्थियों से उनकी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेख प्राप्त किए जाएँगे तथा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा जो अभिलेखों की सूक्ष्म जाँच उपरान्त अर्ह पाए जाएँगे। अंतिम निर्धारित तिथि पश्चात आयोग द्वारा अभिलेख स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे।

8. साक्षात्कार :–

साक्षात्कार 100 अंकों का होगा। साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं हैं।

(स) चयन–प्रक्रिया :–

1) चयन–प्रक्रिया के प्रथम चरण में संबंधित प्रश्न पत्र की ऑफलाइन पद्धति (OMR Sheet आधारित) परीक्षा/ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

2) परीक्षा उपरान्त परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित कर 07 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी। इस अवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा । आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों पर आयोग द्वारा गठित विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नांकित कार्यवाही की जाएगी :–

1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक कुंजी में दिए गए विकल्पों में से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों में अन्य विकल्प सही है, तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा ।
2. प्रश्न पत्र में अनुवाद की भाषा में भिन्नता की स्थिति में केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा। **(केवल द्वि–भाषी प्रश्न–पत्रों पर लागू)**
3. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर है, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाएगा ।
4. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो, प्रश्न को प्रश्न–पत्र से विलोपित किया जाएगा ।
5. विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन के पश्चात् अभ्यर्थियों के कोई भी आपत्ति/पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा । विषय–विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

6. उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गए प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

3) परीक्षा में प्राप्तांक के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न प्रवर्गों हेतु विज्ञापित रिक्तियों के अधिकतम 3 गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु प्रावधिक सफल घोषित किया जाएगा।

4) साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को चयन के लिये अनर्ह माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। यह निर्णय आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी समय–समय पर आयोग की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

5) विज्ञापन की कंडिका–सात–चयन प्रक्रिया (1) के अनुसार–यदि अभ्यर्थी मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक का कार्य अतिथि विद्वान के रूप में किया है तो उनके द्वारा अतिथि विद्वान के रूप में किए गए कार्य के आधार पर विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्ड अनुसार प्राप्त वरीयता अंक के योग के गुणानुक्रम के आधार पर होगा।

6) आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

पाठ्यक्रम–प्रथम प्रश्न–पत्र

मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान

1. <u>मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य</u>

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आन्दोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की कला एवं संस्कृति।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं बोलियाँ।
- प्रदेश के प्रमुख त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक कलाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख व्यक्तित्व।

2. <u>मध्यप्रदेश का भूगोल</u>

- मध्यप्रदेश के वन, पर्वत तथा नदियाँ।
- मध्यप्रदेश की जलवायु।
- मध्यप्रदेश के प्राकृतिक एवं खनिज संसाधन।
- ऊर्जा संसाधन : परंपरागत एवं गैर परंपरागत।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ।

3. <u>मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थशास्त्र</u>

- मध्यप्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा)
- मध्यप्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की सामाजिक व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी एवं जनगणना।
- मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- मध्यप्रदेश में कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग।

4. <u>अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ</u>

- महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ।
- देश एवं प्रदेश की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार तथा खेल संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश राज्य की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश के चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान।

5. <u>सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।</u>

- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं सायबर सिक्यूरिटी।
- ई–गवर्नेन्स ।
- इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग साईट्स।
- ई–कॉमर्स।

---xxx---

ASSISTANT PROFESSOR EXAM-2022

SYLLABUS- PAPER-I

General knowledge of Madhya Pradesh, National and International level and basic knowledge of computer

1. History culture and literature of M.P.

- Important Historical events and Major dynasties of M.P.
- Contribution of Madhya Pradesh in the Independence movements.
- Art, Architecture and culture of M.P.
- Main Tribes and Dialects of M.P.
- Main festivals, folk music and folk art of M.P.
- Important literary figures of M.P. and their literature.
- Main Tourist places of M.P.
- Important personalities of M.P.

2. Geography of the Madhya Pradesh

- Forest, Mountain and Rivers of M.P.
- Climate of M.P.
- Natural and mineral resources of M.P.
- Energy Resources: Conventional and Non- conventional.
- Main irrigation and Power projects of M.P.

3. Politics and Economy of M.P.

- Political system of M.P. (Governor, Cabinet, Legislative Assembly).
- Panchayati Raj in M.P.
- Social system of M.P.
- Demography and census of M.P.
- Economic development of M.P.
- Main industries of M.P.
- Agriculture and Agri based industries in M.P.

4. Current events of International, National and M.P.

- Important Contemporaneous events.
- Famous sports competitions; awards and sports institution of the State and country.
- Welfare schemes of M.P. state.
- Famous personalities and Places.

5. Information and Communication Technology

- Electronics, computers, information and communication technology.
- Robotics, artificial intelligence and cyber security.
- E- Governance.
- Internet and Social networking site.
- E- Commerce.

---xxx---

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

पाठ्यक्रम–इतिहास

Assistant Professor Exam -2022

Syllabus - History

इकाई – 01 इतिहास एवं इतिहास लेखनः

- इतिहास क्या है ?–इतिहास की व्युत्पत्ति, इतिहास का अर्थ एवं परिभाषा।
- इतिहास की प्रकृति एवं स्वरूप–इतिहास एक विज्ञान है, इतिहास एक कला है, इतिहास एक दर्शन है।
- इतिहास का विस्तार क्षेत्र – राजनीतिक इतिहास, आर्थिक इतिहास, सामाजिक इतिहास, धार्मिक इतिहास, सांस्कृतिक इतिहास, संवैधानिक इतिहास, विचारों का इतिहास, बौद्धिक इतिहास, क्षेत्रीय इतिहास, राष्ट्रीय इतिहास, विश्व इतिहास।
- इतिहास में वस्तुनिष्ठता – इतिहास में वस्तुनिष्ठता की आवश्यकता एवं समस्या इतिहासपरक वस्तुनिष्ठता।
- इतिहास में पूर्वाग्रह –पूर्वाग्रह का अर्थ, इतिहास में पूर्वाग्रह के प्रमुख कारण, सामाजिक परिवेश, धर्मगत प्रभाव, राजनीतिक निष्ठा, संरक्षक शासक के प्रति कृतज्ञता आदि।
- इतिहास का अन्य विषयों से सम्बन्ध – इतिहास और भूगोल, इतिहास और पुरातत्व, इतिहास व राजनीति, इतिहास व सामाजशास्त्र, इतिहास और अर्थशास्त्र, इतिहास व साहित्य।
- इतिहास में अनुसंधान – अनुसंधान का अर्थ, अनुसंधान के प्राथमिक एवं द्वितीयक (गौण) स्त्रोत, तथ्यों का संकलन एवं चयन, साक्ष्य एवं उसका अनुप्रयोग।
- इतिहास के उपागम– धर्म सम्बन्धी, प्राच्यवादी, साम्राज्यवादी, राष्ट्रवादी, मार्क्सवादी, उपाश्रयी, उत्तर आधुनिकतावादी।
- इतिहास के वृहत सिद्धान्त– युग चक्रवादी सिद्धान्त, ऐतिहासिक भौतिकवाद।
- इतिहास लेखन की परंपराएँ – प्राचीन भारत में इतिहास लेखन की वैदिक एवं पौराणिक परम्परा (सूतपरम्परा, चरित परम्परा), बौद्ध एवं जैन परम्परा, प्राचीन भारतीय इतिहास लेखक –शुक्र, बाणभट्ट, कल्हण, मध्य कालीन भारतीय इतिहास लेखक– मिनहाज–उस–सिराज, जिया–उद्दीन–बरनी, अबुल–फजल। भारत के आधुनिक इतिहास लेखक –रामकृष्ण गोपाल भण्डारकर, यदुनाथ सरकार, आनन्द के स्वामी, काशी प्रसाद जायसवाल, रमेश चन्द्र मजुमदार, धर्मानन्द कौशाम्बी, प्रो. सतीशचन्द्र मित्तल।

Unit - 01 Historiography and History writing

- What is History? - Etymology, meaning, definition of history
- Nature of History and Form - History is a science, history is an art, history is a Philosophy

- Scope of history - political history, economic history, social history, religious history, cultural history, history of constitution, history of ideas, intellectual history, regional history, national history, world history.
- Objectivity in history- Problem of objectivity in history, need of objectivity in history, historical objectivity.
- Bias in history - Meaning of bias, major causes of bias in history - social environment, effect of religion, political loyalty, gratitute to the patron ruler, etc.
- Corelation of history with other subjects - History and Geography, History and Archaeology, History and Politics, History and Sociology, History and Economics, History and Literature.
- Research in History- Meaning of research, primary and secondary sources of research, collection and selection of data, evidence and its transmission.
- Approaches to History - Religious, orientalist, imperialistic, nationalist, Marxist, Subaltern, Post modernist.
- Grand theory of history - Cyclical concept of history, Doctrine of historical materialism.
- Traditions of history writing - Vedic and Puranic Tradition of history writing in Ancient India, Suta tradition, Charit tradition, Buddhist and Jain tradition. The author of ancient Indian history - Shukra, Banabhatta, Kalhana. The author of medieval Indian history - Minhaj - us- siraj, Ziauddin Barani, Abul Fazl. Modern history writers of India - Ramkrishna Gopal Bhandarkar, Yadunath Sarkar, Anand K. Swami Kashi Prasad Jaiswal, Ramesh chandra Majumdar, Dharmanand Kosambi. Prof. Satishchandra Mittal.

इकाई–02 – प्राचीन भारतीय इतिहास

- संकल्पना एवं विचार– भारतवर्ष, वेद, ऋत्, सभा–समिति, वर्णाश्रम, पुरुषार्थ, ऋण, संस्कार, यज्ञ/पंचमहायज्ञ, कर्म का सिद्धांत, बोधिसत्व, तीर्थंकर।
- इतिहास के साहित्यिक स्रोत – धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य।
- इतिहास के पुरातात्विक स्रोत – अभिलेख, सिक्के, स्मारक आदि ।
- विदेशी यात्रियों के विवरण – यूनानी–रोमन, चीनी तथा अरब लेखक।
- प्रागैतिहास तथा आद्य इतिहास–मानव तथा पर्यावरण, भौगोलिक कारक, आखेट तथा संग्रह (पुरापाषाण तथा मध्यपाषाण), कृषि का आरंभ, (नवपाषाण तथा ताम्र पाषाण)।
- सिन्धु/सरस्वती घाटी की सभ्यता – उद्गम, विस्तार, विशेषतायें, पतन, उत्तर जीविता (अवशेष) तथा महत्व, लौह युग तथा द्वितीय शहरीकरण ।

- वैदिक काल – वैदिक संस्कृति, वैदिक काल (पूर्व एवं उत्तर) साहित्यिक तथा पुरातात्विक साक्ष्य, सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक संस्थाओं का विकास, धार्मिक तथा दार्शनिक विचार, अनुष्ठान तथा पद्धतियाँ।
- महाजनपद काल– 16 महाजनपदों का निर्माण, गणराज्य तथा राजतंत्र, शहरी केन्द्रों का उदय, व्यापार–मार्ग, आर्थिक संवृद्धि, सिक्कों का प्रचलन, मगध साम्राज्य का उत्कर्ष (हर्यंक वंश, शिशुनाग वंश तथा नंदवंश) प्राचीन भारत में लोकतंत्र एवं गणराज्य।
- छठी शताब्दी ईसापूर्व की धार्मिक, क्रांति– जैन धर्म और बौद्ध धर्म की प्रमुख शिक्षाएँ, सिद्धांत तथा दार्शनिक विचार । सूत्रों एवं महाकाव्यों का युग।
- विदेशी–आक्रमण– हखामनी (ईरानी/पारसीक) आक्रमण (कुरूष अथवा साइरस द्वितीय, दारा प्रथम (Darius- I) क्षर्याष अथवा जरक्सीज (Xerxes), दारा तृतीय) सिकन्दर का भारत पर आक्रमण और उनका प्रभाव।

UNIT -II Ancient Indian History

- Concepts and Ideas - Bharatvarsha, Vedas, Rit, Sabha - Samiti, Varnasrama, Purusharthas, Rina, Samsakaras, Yajna/Punch Mahayajna, Doctrine of Karma, Bodhisattva, Trithankara.
- Literary Sources of History - Religious Literature; Laukik Literature.
- Archaeological Sources of History - Incriptions, Coins, Monuments etc.
- Accounts of Foreign Travellers - Greeco-Roman, Chinese and Arab writer's.
- Prehistory and Protohistory - Man and Environment, Geographical factors, Hunting and gathering (Paleolithic and Mesolithic), Beginning of Agriculture(neolithic and Chalcolithic).
- Indus/Saraswati Valley Civilization - Origin, expansion, characterstics, decline, survival and importance, Iron age and Second urbanisation.
- Vedic Period - Vedic culture, Vedic age (Pre and Later), literary and archaeological evidences, evolution of social, economic and political institutions, religious and philosophical thoughts, rituals and practices.
- Periods of Mahajanapadas - Formation of sixteen Mahajanpadas, Republic and Monarchies, rise of urban centers, trade routes, economic growth, coinage, rise of Magadha empire (with special reference to Haryanka dynasty, Shishunaga and Nanda dynasty). Republic and democracy in ancient India.
- Religious revolution of six Century B.C. - Major teachings, doctrines and philosophical ideas of Jainism and Buddhism. The age of the sutras and epics.
- Foreign invasions - Hakhamani (Irani/Percian), invasion (Kurush or Cyrus-II, Darius -I, Xerxes, Derius third), invasion of Alexander on India and their impact.

इकाई–03 मौर्य एवं मौर्योत्तर काल

- संकल्पना एवं विचार– दण्डनीति, कौटिल्य तथा अर्थशास्त्र, सप्तांग, धर्म विजय, स्तूप, चैत्य, विहार, श्रेणी, कर, विष्टि
- चन्द्रगुप्त मौर्य – उत्पत्ति, प्रारंभिक जीवन, विजयें एवं उपलब्धियाँ, साम्राज्य विस्तार, अंतिम जीवन।
- शासन व्यवस्था – चन्द्रगुप्त मौर्य का केन्द्रीय शासन, प्रान्तीय शासन, नगर प्रशासन तथा ग्राम प्रशासन।
- सम्राट अशोक 'प्रियदर्शी' – प्रारंभिक जीवन, कलिंग का युध्द तथा उसके परिणाम, अशोक का धम्म, धम्म प्रचार के उपाय, अशोक के प्रशासनिक सुधार।
- अशोक के अभिलेख – शिलालेख, लघु शिलालेख, स्तम्भ लेख, लघु स्तम्भ लेख तथा गुहालेख ।
- मौर्य युगीन संस्कृति – सामाजिक, आर्थिक तथा धार्मिक जीवन, कला और स्थापत्य, ब्राह्मी तथा खरोष्ठी लिपिं।
- मौर्य साम्राज्य का विघटन – मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण, शुंग वंश, पुष्यमित्र शुंग की उपलब्धियाँ, कण्व राजवंश, सातवाहन राजवंश का इतिहास एवं सातवाहन युगीन संस्कृति (सामाजिक, धार्मिक तथा आर्थिक जीवन एवं कला। पह्लव एवं बैक्ट्रियंस
- विदेशी आक्रमण – भारत–ग्रीक (डेमेट्रियस, युक्रेटाइडीज, मेनाण्डर) शक (तक्षशिला के शक, मथुरा के शक क्षत्रप, महाराष्ट्र के शक क्षत्रप, सौराष्ट तथा मालवा के शक क्षत्रप वंश, कुषाण वंश– कनिष्क का साम्राज्य विस्तार तथा प्रशासन, कुषाण युगीन धर्म, साहित्य एवं कला।
- पूर्वी भारत तथा दक्षिण भारत – कलिंग का चेदि राजवंश, खारवेल तथा उसकी उपलब्धियां, चोल राज्य, चेर राज्य, पाण्ड्य राज्य, संगम साहित्य एवं संगम युगीन संस्कृति, (कला, सामाजिक – आर्थिक दशा, धर्म और धार्मिक विश्वास) बृहत्तर भारत।
- प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा – खगोल विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, शिल्पशास्त्र, धातु विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान प्रौद्योगिकी, गणित विज्ञान, ज्योतिष शास्त्र।

UNIT- III Maurya and Later Mouryan Period

- Concepts and Ideas - Dandaniti, Kautilya's Artha-shashtra, Saptanga, Dharma vijaya, Stupa, Chaitya, Vihar, Guild, Kara, Vishti
- Chandragupta Maurya - Origin, Early life, conquests and achivements, Chandragupta Maurya's last life and expansion of empire.
- Administrative System-central administration, Provincial administration, City and Village administration of Chandragupta Maurya.

- Samrat Ashok "Priyadarshi":- early life, Battle of Kalinga and its consequesnces, Ashoka's dhamma, measures for propogation of Dhamma, administrative reform of Ashoka.
- Ashoka's inscription - Rock- Edicts, Minor-Rock- Edicts, Pillar-Edicts, Minor Pillar Edicts and Cave Inscriptions.
- Mauryan Age Culture- Social, Economic and religious life, Art and Architechture, Brahmi and Kharosthi script.
- Disintigration of Mouryan Empire - reason's for the fall of the Mauryan empire, Shunga Dynesty, achivements of Pushyamitra Shunga, Kanva dynasty, History of Satvahanas and Satvahana era culture (Social, religious, economic life and Art) Pahlavas and the bactrians.
- Foreign invasion- Indo-Greek (Demetrious, Ukretidies, Menander etc.) Shak (Shak of Taxila), Shak Khatrapas of Mathura, Shak Khatrapas of Maharashtra, Shak Khatrapas of Sourashtra and Malwa. Kushan dynasty- Kanisha's empire expensions and administration, Kushan era Dharm, literature and art.
- Eastern India and South India - Chedi dynesty of Kalinga, Kharvela and his achivements, Chola kingdom. Chera kingdom, Pandy kingdom. Sangama literature, Sangam Age culture (Art, Social, Economic condition, religion and religious belief) Greater India.
- Ancient Indian Knowledge System- Astronomy, Physics, Chemistry, Sculpture, Metalergy, Medical Science. Technology, Mathematics, Astronomy

इकाई—04 प्राचीन भारत की संकल्पनाए एवं विचार

- स्त्रीधन, प्रस्तर स्मारक, अग्रहार, नागर—द्राविड़—बेसर।
- गुप्त राजवंश – चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, रामगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त, स्कन्द गुप्त (विजयें तथा उपलब्धियां), गुप्त—वाकाटक संबंध ।
- गुप्त युगीन संस्कृति और पडोसी देशों से संपर्क— शासन व्यवस्था, सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन, धार्मिक जीवन और साहित्य और विज्ञान, कला स्थापत्य । गुप्त काल में भारत का दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य एशिया, चीन व श्रीलंका से सम्पर्क
- थानेश्वर का वर्धन राजवंश और हर्षकालीन संस्कृति— हर्ष का प्रारंभिक जीवन, युद्ध व विजयें, साम्राज्य विस्तार, शासनप्रबंध, सामाजिक धार्मिक जीवन, शिक्षा और साहित्य, नालंदा विश्वविद्यालय

- उत्तर और पूर्वी सीमावर्ती राज्य– कश्मीर का कर्कोट राजवंश, उत्पल वंश, लोहार राजवंश, बंगाल का पाल राजवंश और सेन वंश कामरूप का वर्मन वंश – इतिहास व संस्कृति विक्रम शिला विश्वविद्यालय
- चालुक्य वंश – वातापी, कल्याणी, वेंगी (आन्ध्र), के चालुक्य शासक उनका राजनैतिक इतिहास एवं चालुक्य कालीन संस्कृति (प्रशासन, साहित्य, धर्म, कला और स्थापत्य) ।
- राष्ट्रकूट वंश और गुजरात के सोलंकी (चौलुक्य) राजवंश– राजनीतिक इतिहास, प्रमुख शासक तथा राष्ट्रकूट कालीन संस्कृति (शासन प्रबन्ध, धर्म, साहित्य, कला), गुजरात के सोलंकी (चौलुक्य) राजवंश का संक्षिप्त इतिहास ।
- पल्लव राजवंश– कांची के महान पल्लव शासक, राजनीतिक इतिहास तथा पल्लव कालीन संस्कृति (शासन प्रबन्ध, धर्म , साहित्य, कला तथा स्थापत्य, सामाजिक, आर्थिक जीवन ।
- चोल राजवंश– राजनैतिक इतिहास, प्रमुख शासक तथा चोलयुगीन संस्कृति (शासन प्रबन्ध, धार्मिक दशा, साहित्य, कला और स्थापत्य)
- दक्षिणापथ के अन्य राज्य– देवगिरि के यादव, द्वारसमुद्र के होयसल, कदम्ब राजवंश, गंग राजवंश, वारंगल का काकतीय वंश ।

UNIT- IV Concepts and ideas of Ancient India

- Stridhana Memorial stones, Agraharas, Nagar- Dravida- Vesara.
- Gupta dynasty- Chandragupta- I, Samudragupta, Ramgupta, Chandraguta-II, Kumargputa, Skandagupta (Conquests and achivements) Gupta- Vakataka relations.
- Gupta age culture and contact with Neighbouring countries - Governance, social life, economic life, religious life, litreature, Science, art and architecture. Relation of India with South East Asia, contact with Central Asia, China and Shrilanka in Gupta period.
- Vardhana dynasty of Thaeshwara and Harsha's culture- Harsha's early life, Wars and Victories, Expansion of Empire, Governance, Social religious life, education and literature, Nalanda University.
- North and Eastern Border State- Karkote dynasty, Utpal dynasty and Lohar dynasty of Kashmir. Pala dynasty and Sen dynasty of Bengal, Varmana dynasty of Kamrupa- History and culture Vikramashila University.
- Chalukya dynasty- Chalukya ruler of Vatapi, Kalyani, and Vengi (Andhra)- administration Political history and Chalukya culture (Administration, Literature, dharma, Art and Architecture.)

- Rashtrakuta dynasty and Solanki (Chaulukya) dynasty of Gujrat- Political history, chief rulers and Rashtrakuta age culture(Administration, Dharma, Literature and Art), brief history of Solanki (Chalukya) dynasty of Gujrat
- Pallava dynasty - Great Pallava ruler of Kanchi- Political History and Culture of Pallava (Administraion, Dharma, Literature, Art and Architecture, Social - economic life)
- Chola dynasty - Political history, Major rulers and Chola era culture (Administration, religious condition, literature, art and architecture)
- Other kingdom of Dakshinapatha - Yadava of Devgiri; Hoyasalaof Dwarsamudra, Kadamba dynasty, Gung dynasty, Kakatiya dynasty of Warangla.

इकाई – 05 मध्य कालीन भारतीय इतिहास

- मध्यकालीन संकल्पना एवं विचार– चौथ, हुण्डी (विनिमय पत्र), पोलीगर, जागीर, अमरम, इक्ता, जजिया, मनसब, देशमुख, नाडु, जौहर, साका, सुलह–ए–कुल ।
- अरबों का आक्रमण और भारतीय प्रतिरोध– उबैदुल्ला, बुदैल और मुहम्मद बिन कासिम का सिन्ध के राजा दाहिर पर आक्रमण और .दाहिर का बलिदान, कश्मीर के राजा ललितादित्य, गुर्जर, प्रतिहार नरेश, बदामी के चालुक्य नरेश तथा गुहिलवंशी नरेश बप्पा रावल द्वारा अरबों की पराजय।
- तुर्को एवं पठानों के आक्रमण एवं भारतीय प्रतिरोध – महमूद गजनवी, मुहम्मद गोरी तथा महमूद गजनवी के विभिन्न 17 आक्रमण एवं भारतीय प्रतिरोध– राजा सुहेल देव, मुहम्मद गोरी के आक्रमण, मंगोल आक्रमण, तैमूर का आक्रमण।
- भारत के सल्तनत कालीन शासक तथा भारतीय प्रतिरोध– गुलाम वंश, खिलजी, तुगलक, सैय्यद, लोदी तथा क्षेत्रीय राजपूत शासकों का प्रतिरोध।
- मुगलों का भारत पर आक्रमण तथा भारतीय प्रतिरोध– बाबर, पानीपत, खानवा, चंदेरी और घाघरा का युद्ध, नादिरशाह का आक्रमण, अहमदशाह अब्दाली का आक्रमण
- मुगल कालीन शासन तथा भारतीय प्रतिरोध –हुमायूँ, शेरशाह सूरी, अकबर, जहाँगीर शाहजहाँ, औरंगजेब। गोंड, राजपूत, जाट, सिक्ख शासकों तथा सतनामियों का प्रतिरोध
- क्षेत्रीय राज्यों का उदय – विजय नगर और .बह्मनी साम्राज्य उत्थान, विस्तार और विघटन ।
- मराठा साम्राज्य का उत्कर्ष –उत्कर्ष के कारण, शिवाजी की विजयें तथा हिन्दवी स्वराज की स्थापना, पेशवाओं के अधीन मराठा साम्राज्य का विस्तार ।
- मध्यकालीन शासन प्रणाली– तुर्को की शासन व्यवस्था, मुगलों की शासन प्रणाली, शेरशाह सूरी का शासन प्रबन्ध विजय नगर की शासन प्रणाली, शिवाजी का शासन प्रबन्ध ।

Unit - V :- Medieval Indian History

- Concept and Ideas - Chauth, Hundi (Bils of Exchange), Polygar, Jagir, Amaram, Ikta, Jaziya, Mansab, Deshmukh, Nadu, Jouhar, Saka, Sulah-i-kul
- Arab's invasion and Indian Resistance - Invasion of Ubedulla, Budel and Md. Bin Quasim on the king Dahir and the sacrifice of Dahir. Arab's defeat by Lalitaditya the king of Kashmir, Gurjar Pratihar, Chalukya king of Badami and the Bappa Rawal, the king of Guhil dynasty.
- Invasion of Turks and Mangols and Indian Resistance - Various Seventeen invasions of Mahamood Gazanavi and Indian resistance- Raja Suheldeva and others. Invasion of Md. Ghori, Mangols and Timur.
- Sultanate rulers of India and Indian resistance - Slave dynasty, the khaljis, the Tughlaque, Saiyad and the lodhis and the resistance by regionals Rajpoot rulers.
- Invasion of Mughals and Afgans on India and Indian resistance - Babar, Panipat, Khanawa, Chanderi and Ghaghara's war, invasion of Nadirshaha, Ahmadshah Abdali.
- Mughal rulers and Indian resistance - Humayun, Shershah Suri, Akbar(Siege of Chittoregarh), Jahangir, Shahajahan, Aurangzeb. Gond, Rajpoots, Jat, Sikh and Satnami's resistance.
- Rise of Regional Kingdoms - Vijaya nagara and the Bahmani Kingdom - rise, extension and Disintegration.
- Rise of Maratha Empire- Causes of rise of Marathas, Victories of Shivaji and foundation of Hindvi Swaraj, Establishment and Expansion of Maratha Empire during Peshawas.
- Medieval Adminitrative system- Administration of Turks, Mughals, Shershah Suri, Vijayanagara and Shivaji.

इकाई–06 – मध्यकालीन भारतीय सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं सांस्कृति जीवन

- सामाजिक जनजीवन– हिन्दू समाज और स्त्रियों की दशा, मुस्लिम समाज एवं स्त्रियों की दशा, भोजन, वस्त्र, आभूषण, मनोरंजन आदि।
- आर्थिक जीवन– कृषि उत्पादन, भू–राजस्व व्यवस्था, सिंचाई के साधन, किसानों की स्थिति, कर व्यवस्था टकसाल (Mint) उद्योग धन्धे (Busisness and Industry) नगरीकरण, व्यापार, (Trade and Commerce) आंतरिक व्यापार, विदेशी व्यापार, हस्त शिल्प, यातायात के साधन (Means of Transport)
- विजय नगर की संस्कृति – सामाजिक धार्मिक आर्थिक स्थिति, साहित्य एवं कला का विकास।

- भक्ति संम्प्रदाय– शैववाद एवं उसकी शाखाएँ तथा दर्शन, वैष्णववाद एवं उसकी शाखाएँ तथा दर्शन, शाक्त धम्र उद्भव तथा विकास, मध्यकालीन प्रमुख संत –शंकराचार्य, रामानंद, कबीर, नानक, तुकाराम, एकनाथ, संत ज्ञानेश्वर, चैतन्य महाप्रभु, तुलसीदास, मीराबाई, बल्लभाचार्य, रामानुचार्य, संत रविदास, संत सिंगाजी महाराज आदि।
- सिख पंथ और सिख गुरूओं का जीवन और उपदेश, प्रमुख घटनाएँ, आदि ग्रंथ (गुरु ग्रंथ साहिंब) खालसा, सूफीवाद तथा प्रमुख सूफी संत।
- मुगलों की धार्मिक नीति – बाबर, हुमायूँ, अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ, तथा औरंगजेब की धार्मिक नीति,
- सांस्कृतिक जीवन – शैक्षिक पद्धति और उनकी अभिप्रेरणा, साहित्य– पर्शियन (फारसी), संस्कृत, क्षेत्रीय भाषा साहित्य, ललित कलाएँ–चित्रकला के प्रमुख स्कूल, संगीत, उत्तर और दक्षिण भारत की वास्तु एवं स्थापत्य कला का विकास।

UNIT- VI Medieval Indian Social , Economic, Religious and Cultural Life

- Social Life- Hindu society and condition of women, Muslim society and condition of women, Food habits, Clothe, Ornaments, Entertainment, etc.
- Economic Life- Agriculture production, Land revenue system, means of irrigation, condition of peasants. Tax system, Mint Business and industry. Urbanization, Trade and commerece, internal trade, foreign trade, handicrafts. menas of transport.
- Culture of Vijayanagar- Social, religious, economic status, development of literature and Art.
- Bhakti Sect and Philoshphy- Shaivism and its branches, Vaishnavism and its branches Shakta religion - origin and development. Prominent saint in Mediaval period - Shankaracharya, Ramananda, Kabir, Nanak, Tukaram, Eknath, Sant Gyanenshwara, Chaitanya Mahaprabhu, Tulsidas, Meerabai, Vallabhacharya, Ramanujacharya, Sant Ravidas, Sant Singaji, etc.
- Sikh Sect and Sufism- Life and teaching of Sikh Gurus, Mughal- Sikh relations, Adi Granth (Guru Granth Sahib), the Khalsa, Sufism and Sufi Sants.
- Religious Policy of Mughals - Babar, Humayun, Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb's religious policy.
- Cultural Life - Educational system and their motivation, Literature- Persian(Farsi), Sanskrit and Regional Languages, fine arts, Major schools of paintings, Music, Development of architecture of North and South India.

इकाई–07 – आधुनिक भारत का इतिहास

- संकल्पना एवं विचार – प्राच्यवाद, उपनिवेशवाद, सहायक संधि, सम्प्रदायवाद, खिलाफत, राष्ट्रवाद, परमोच्च शक्ति, द्वैध शासन, अग्रवर्ती नीति, राज्य लोप नीति।
- स्त्रोत तथा इतिहास शास्त्र– अभिलेखागारीय सामग्री, जीवनी तथा संस्मरण, समाचार पत्र, मौखिक वृत्तांत , सृजनात्मक साहित्य एवं आधुनिक इतिहास शास्त्र की अवधारणाएँ– साम्राज्यवादी, राष्ट्रवादी, मार्क्सवादी, उपाश्रयी तथा प्राच्यवादी।
- ब्रिटिश शक्ति का उदय – 17वीं ओर 18वीं शताब्दी में भारत में यूरोपीय व्यापारी–पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी तथा ब्रिटिश, भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना तथा विस्तार, बंगाल, अवध, हैदराबाद, मैसूर, मराठा तथा सिख तथा सिंध का विलय।
- कम्पनी तथा क्राउन का प्रशासन – ईस्ट इण्डिया कम्पनी के अधीन केंन्द्रीय तथा प्रान्तीय ढांचे का विकास (1773 – 1853ई), कम्पनी तथा क्राउन के अधीन परमोच्च शक्ति, सिविल सेवा, न्यायिक, पुलिस सेवा, तथा सेना। स्थानीय स्वशासन, संवैधानिक परिवर्तन (1909–1935)।
- आर्थिक इतिहास – कृषि का वाणिज्यीकरण, भूमि बन्दोबस्त, ग्रामीण ऋण–ग्रस्तता कुटीर उद्योग, धन्धों तथा दस्तकारी का विनाश कारीगरों की बदलती हुई सामाजिक, आर्थिक दशाएँ, प्रमुख आधुनिक उद्योग, फैक्ट्री कानून का स्वरूप, श्रमिक तथा मजदूर संघ के आंदोलन, अनौद्योगीकरण, मौद्रिक नीति, दुर्भिक्ष तथा महामारी और सरकार की नीति, भारतीय आर्थिक इतिहासकार तथा धन के निष्कासन का सिद्धांत एवं दादाभाई नौरोजी तथा आ.सी. दत्त आदि के विचार।
- ब्रिटिश शिक्षा नीति का प्रभाव, राजाराम मोहन राय तथा ब्रह्म समाज, दयानंद सरस्वती तथा आर्य समाज, स्वामी, विवेकानंद तथा रामकृष्ण मिशन, सर सैय्यद अहमद खॉ, एनी बेसेन्ट, थियोसॉफिकल सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय, ज्योतिबा फुले, केशव धौंडो कर्वे, सावित्री बाई फुले आदि का योगदान, सामाजिक सुधार आंदोलन महिलाओं की स्थिति, महिलाओं के संगठन, महिलाओं से संबंधित ब्रिटिश कानून।
- भारतीय प्रेस का विकास – 1857 के पूर्व की स्थिति, 1857 का लाइसेन्सिंग एक्ट, वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट और विभिन्न समाचार पत्र अधिनियम, प्रमुख समाचार पत्र

UNIT- VII History of Modern India

- Concept and Idea- Orientalism, Colonialism, Subsidiary Alliance, Communalism, Khilafat, Nationalism, Paramounticy, dyarchy forward policy, doctrine of lapse.

- Sources and Historiography- Archivel materials, biographies and memories, newspapers, oral evidence, creative literature and painting concept of modern Indian Historiography Imperialist, Nationalist, Marxist subulterm and orientalist
- Rise of British Power in India in the 17th and 18th centuries-european traders- Portuguese, dutch, French and the British, The establishment and expansion of British Rule in India, British relations with the Indian Powers- Bengal, Oudh, Hyderabad, Mysore, Marathas and Sikh.
- Administration of the company and Crown- Evolution of central and provincial structure under the last India company (1773- 1853) Paramountcy, Civil Service, Judiciary, Police and the Army under the company and Crown. Local Self- Government, Constitutional changes (1909-1935).
- Economic History - commercialization of agriculture, land settlement, rural indebtedness, Destruction of cottage industries, trades and handicrafts, changing socio- economic condition of artisans, major modern industries nature of factory law, labour and trade union movement, deindustrialization, monetary policy, famines and epidemics and the government policy Indian economic historians, the Drain theory and Dadabhai Nourogi, R.C. Dutt.
- British Education Policy Its impact, the contribution of Rajaram Mohan Roy, Dayanand Saraswati, Swami Vivekanand, Saiyads Ahamad Khan, the contribution of Anny besent, Theosophical Society. Pt. Madan Mohan Malviya, Jyotiba Fule, Keshav dhondo karve, Savitri Bai fule etc. Social reform movement, status of women, Women's organisatin, British Law relates to women.
- Development of Indian Press- status before 1857, Licensing Act of 1857 Vernacular ress Act and differant news paper Act. popular news papers.

इकाई–8. आधुनिक भारत का इतिहास

- भारतीय राष्ट्रवाद के उदय के कारण, राष्ट्रीयता का सामाजिक तथा आर्थिक आधार
- 1857 की क्रांति– कारण, प्रकृति, परिणाम, असफलता के कारण तथा प्रभाव। 1857 की क्रांति के प्रमुख नायक– तात्या टोपे, मंगल पाण्डे, बख्त खान, नाना साहब, मौलवी अहमद उल्लाह, लक्ष्मीबाई, झलकारी बाई आदि।
- उपनिवेशीय शासन का विरोध– प्रमुख विद्रोह–कूका विद्रोह, वासुदेव बलवंत फड़के विद्रोह, जनजातीय विद्रोह– खासी, नागा, अहोम, कोल, मुंडा, भील विद्रोह (महाराष्ट्र तथा राजस्थान)

- प्रमुख किसान आंदोलन– संथाल विद्रोह, नील विद्रोह, पाबना आंदोलन, चंपारन सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह, बारदोली सत्याग्रह आदि।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना – कारण, उदारवादी नेतृत्व, अतिवादी राष्ट्रवाद लाल–बाल–पाल की भूमिका, अरविंद घोष, कांग्रेस का विभाजन–नरमदल–गरम दल, सूरत अधिवेशन, कांग्रेस का विभाजन।
- भारत तथा विदेश में क्रांतिकारियों की विचारधारा तथा गतिविधियाँ– प्रारंभिक क्रांतिकारी संगठन, भारत के प्रमुख क्रांतिकारी–प्रमुख क्रांतिकारियों की भूमिका तथा योगदान ।
- गांधी युग और प्रमुख जनआंदोलन भारतीय स्वाधीनता संग्राम में गांधी का पदार्पण तथा उनके नेतृत्व में हुए समस्त आंदोलन। सुभाषचन्द्र बोस एवं आजाद हिन्द फौज।
- वामपंथी राजनीति भारत में वामपंथी विचारधारा का विकास, प्रमुख वामपंथी संगठन, स्वाधीनता आंदोलन में वामपंथियों का भूमिका।
- साम्प्रदायिक राजनीति– उद्‌भव, विकास एवं भारत के विभाजन में सांप्रदायिकता की भूमिका
- स्वतंत्रता पश्चात भारत (1947 से 1964 तक) – भारतीय राज्यों का एकीकरण, कश्मीर समस्या, भारतीय संविधान का निर्माण, पंचवर्षीय योजना, भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन, भारतीय विदेश नीति (आरंभ से 1964 तक)।

Unit -VIII History of Modern India

- Causes of the rise of Indian Nationalism, social and economic base of Nationalism.
- Revolution of 1857 - Causes, nature, results, causes of failure and impact, chief heroes of 1857 - Mangal Pandey, Tatya tope, Bakhta khan, Nana saheb, Maulvi Ahmed Ullah, Laxmibai, Jhalkaribai, etc.
- Resistance to Colonial rule - Major rebellion - Kuka rebellion, Vasudeva Balavant Fadake rebellion, Tribal rebellion - Khasi, Naga, Ahom, Kol, Munda, Bhila rebellion (Maharashtra and Rajasthan)
- Major Peasant Movement - Santhala rebellion, Neel rebellion, Pabana movement, Champaran Satyagraha, Kheda Satyagraha, Bardoli Satyagraha etc.
- Foundation of Indian National Congress - Causes, Moderate leadership, Extremist Nationalism, Role of Lal-Bal-Pal, Aurobindo Ghosh, Split of Congress - moderates - extremists. Surat session, split of Congress.
- Idealogy and activities of revolutionaries in India and abroad Country - Early revolutionary organisations, major revolutionaries of India - The role and contribution of all major revolutionaries.
- Gandhi Era and major mass movements - Gandhi's debut in the Indian freedom struggle and all the movements under his leadership. Subhashchandra Bosh and INA.

- Leftist Politics - Development of Leftist ideology in India, Major Leftist organisation, Role of Leftists in Freedom movement.
- Communal Politics - origine, development and role of communalism in partition of Bharat.
- India after Independence (1947-1964) - Integration of Indian states, Kashmir problem, Framing of Indian constitution, Five year plan, reorganization of states on the basis of language, Indian foreign policy (begining to 1964).

इकाई – 09 विश्व का इतिहासः

- संकल्पनाएँ–विधि संहिता (लॉ कोड), रोमन साम्राज्य, दासता, अभिजात तंत्र, जमींदारी प्रथा, ब्लैक डेथ, सामन्तवाद, पुनर्जागरण, संसदीय लोकतंत्र, समाजवाद, नाजीवाद, फासीवाद, पूर्वी समस्या, चर्च की सर्वोच्चता, पवित्र रोमन साम्राज्य, धर्म सुधार आंदोलन।
- आधुनिक पश्चिम की आर्थिक क्रांति –वाणिज्यवाद, उपनिवेशवाद, औद्योगिक क्रांति।
- विश्व की (18वीं सदी) प्रमुख क्रांतियाँ – अमेरिका की क्रांति (1776 ई.), फ्रांसीसी क्रांति (1789)
- 20 वीं सदी की प्रमुख क्रांतियाँ– 1911 की चीनी क्रांति , 1917 ई की रूसी क्रांति–1949 की चीनी क्रांति।
- नेपोलियन बोनापार्ट का युग–उसका उत्थान और पतन, वियना कांग्रेस (1815 ई.)
- पूर्वी समस्या– क्रीमिया युद्ध (1854–1856), बर्लिन कांग्रेस, युवा तुर्क आंदोलन, बाल्कन युद्ध।
- जर्मनी और इटली में राष्ट्रवाद का उदय–जर्मनी का एकीकरण, इटली का एकीकरण।
- प्रथम विश्वयुद्ध– कारण, परिणाम एवं प्रभाव, वार्साय की संधि।
- तानाशाही शक्तियों का उदय – फासीवाद और मुसोलिनी की नीतियाँ, नाजीवाद और हिटलर की नीतियाँ।
- द्वितीय विश्व युद्ध – कारण, परिणाम एवं प्रभाव– संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना।

Unit - IX World History

- Concepts - Code of law, Roman Empire, Slavery, Aristocracy, Jamidari, Black Death, Feudalism, Renaissance, Parliamentary Democracy, Socialism, Nazism, Fascism, Eastern problem, Supremacy of Church, Holy Roman Empire, Religion Reform Movement.
- Economic revolution of the Modern West - Mercantilism, colonialism, industrial revolution.
- Major revolution (18th Century) of the world - revolution of America - 1776 AD, French Revolution- 1789 AD.
- Major revolution of the Twentieth Century - Chinese revolution of 1911, Russian revolution of 1917, Chinese revolution of 1949.

- The era of Napoleon Bonaparte - rise and fall of Napoleon Bonaparte, The Congress of Vienna (1815AD.).
- Eastern Problem - Crimean War (1854-1856), Berlin Congress, Young Turk movement, Balkan war.
- Rise of Nationalism in Germany and Italy - Unification of Germany, Unification of Italy.
- First World War - Causes, consequences and effects of world war first, Treaty of Versailles.
- The rise of dictetorial powers - Fascism and Mussolini's policy, Nazism and Hitler's policy.
- Second World War - Causes, results and effects, establishment of the United Nation Organisation.

इकाई – 10_ <u>मध्य प्रदेश का इतिहास एवं स्वाधीनता आंदोलन</u> :

- प्रागैतिहासिक काल – पुरापाषाण काल, मध्य पाषाण काल, नवपाषाण काल, ताम्रपाषाण काल, मध्य प्रदेश के प्रमुख शैलाश्रय एवं शैल चित्र।
- मध्य प्रदेश के प्रमुख अभिलेख –अशोक के अभिलेख– रूपनाथ, गुर्जरा, पानगुराड़िया, कुषाण नरेश वाशिष्क का साँची अभिलेख, बेसनगर गरूड़ध्वज स्तम्भ लेख, चन्द्रगुप्त द्वितीय का उदयगिरि गुहा अभिलेख, चन्द्रगुप्त द्वितीय के काल का साँची पाषाण लेख, चन्द्रगुप्त द्वितीय के समय का बन्धुवर्मा का मंदसौर अभिलेख।
- मध्य प्रदेश के राजवंश – गर्दभिल्ल वंश, नागवंश, आभीर वंश, औलिकर, परिव्राजक राजवंश, उच्चकल्प वंश, गुर्जर प्रतिहार, कल्चुरी, चंदेल, परमार, तोमर, फारुकी, कच्छपघात वंश।
- मध्य प्रदेश की प्रमुख–रियासतें – गोंडवाना, बुन्देलखण्ड, बघेलखण्ड, होल्कर, सिन्धिया, भोपाल।
- मध्यप्रदेश में स्वतंत्रता संघर्ष एवं स्वाधीनता आन्दोलन – बुन्देला विद्रोह एवं मध्यप्रदेश में सन् 1857 का स्वतंत्रता संग्राम, स्वदेशी आंदोलन, असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, झण्डा सत्याग्रह एवं जंगल सत्याग्रह आदि प्रमुख घटनाएँ, मध्य प्रदेश का पुनर्गठन।
- मध्य प्रदेश के जनजातीय नायकों का संघर्ष एवं इतिहास में योगदान – शंकर शाह, रघुनाथ शाह, भीमाजी नायक, खाज्या नायक, टंट्या भील, गंजन सिंह कोरकू, बादल भोई, पेमा फाल्या आदि।
- मध्य प्रदेश के प्रमुख ऐतिहासिक स्थल – स्तूप, मंदिर, महल, किले, गुफाएँ, (भीमबेटका, आदमगढ़, आदि) पवित्र नगर आदि।

Unit -X History of Madhya Pradesh and Freedom Movement

- Pre historic Period - Palaeolithic period, Mesolithic period, Neolithic period, Chalcolithic period, Major Rock shelters of Madhya Pradesh Rock Paintings of Madhya Pradesh.
- Major incriptions of Madhya Pradesh - Inscriptions of Ashoka - Rupnath, Gurjara, Panguradiya, Sanchi Incription of Kushan king Vashishka, Besnagar Garuddhwaja Pillar inscription, Udayagiri Cave inscription of Chandragupta -II, Sanchi Stone inscription of the time of Chandragupta - II, Mandsour inscription of Bandhu Verma at the time of Chandragupta -II
- Dynasty of Madhya Pradesh - Gardbhilla dynasty, Naga Dynasty, Abheer dynasty, Oulikar dynasty, Paribrajaka dynasty, Uchchakalpa dynasty, Gurjar- Pratihara, Kalchuri, Chandela, Parmar, Tomar, Faruki and Kachchapaghat dynasty.
- Important Princely States of Madhya Pradesh - Gondavana, Bundelkhand, Baghelkhand, Holkar, Sindhiya, Bhopal.
- Freedom Struggle and Freedom Movement in Madhya Pradesh. - Bundela rebellion, Freedom struggle of 1857 in Madhya Pradesh, Swadeshi movement, non-cooperation movement, civil disobedience movement, Jhanda Satyagrah and Jungle Satyagrah, etc. major events, and reorganization of Madhya Pradesh.
- Tribal heroes of Madhya Pradesh- struggle and contribution in history - Shankarshah, Raghunath shah, Bheemaji Nayak, Khajya Nayak, Tantya Bheel, Ganjan Singh Korku, Badal Bhoi, Pema Falya etc.
- The Famous historical site of M.P. - Stupa, temple, palace, fort, caves, (Bhimbethka, Adamgarh etc.) holy city, etc.

---XXX---